ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

1 A

पारदर्शिता का प्रशासन मे स्थान

पारदर्शिता से तात्पर्य सरकारी कामकाज की सूचनाओं का सार्वजनीकरण से है।

प्रशासन मे महत्व
- भ्रष्टाचार नियंत्रण मे
- योजनाओं को लक्ष्य तक पहुँचाने मे
- जवाबदेही बढ़ती है।
- समय बद्धता एवं सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित होती है।

B

प्लेटो के अनुसार मानव प्रवृत्ति
- विवेक → प्रशासन वर्ग
- साहस → सैनिक वर्ग
- लोलुपता → कृषक, व्यापारी वर्ग

C

वस्तुनिष्ठता

। विवेकाधीन शक्ति वाले प्रशासक का निर्णय लेते समय व्यक्तिगत चेतना के आधारों (पूर्वाग्रह, रूढ़ि मान्यता) से मुक्त रहते हुए तर्क का सहारा लेना वस्तुनिष्ठता कहलाता है।

E

इच्छा मृत्यु → स्वेच्छा से मृत्यु की आज्ञा सरकार से प्राप्त करना।

(कब → गंभीर रोग
कोमा
लाइफ सपोर्ट पर जीवित लोग

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

D

नैतिक मूल्य

मूल्य वह गुण है जो सकारात्मक लक्ष्यों की पूर्ति करे (अर्विन)।

मूल्य किसी व्यक्ति के व्यवहार, व्यक्तित्व, आचरण मे परिवर्तन करके उसे लक्ष्य प्राप्ति के योग्य बनाते है।

मूल्य
- तथ्यात्मक
- राजनैतिक
- वित्तीय
- सामाजिक
- सदाचार अभिवृत्ति

PUNEKAR PUBLICATIONS KHAJURI INDORE TM
पुणेकर

G

अभिक्षमता की विशेषता

(1) अर्जित या जन्मजात होती है।
(2) प्रत्येक व्यक्ति मे अलग-अलग अभिक्षमताए होती है।
(3) प्रशिक्षण द्वारा निखारा जा सकता है एवं यह योग्यता उस विशिष्ट व्यक्ति को विशिष्ट क्षेत्र मे सफल बनाती है।

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

आचरण

किसी व्यक्ति के कार्य, निर्णय, व्यवहार का समुच्चय - आचरण कहलाता है।

चार आर्य सत्य

- दुःख → संसार मे दुःख ही दुःख है
- दुःख निरोध → दुःख पर नियंत्रण संभव है
- दुःख समुदाय → दुःख का कारण है
- दुःख निरोधगामी प्रतिपदा → तृष्णा रूपी अग्नि का शमन हेतु (अष्टांगिक मार्ग) दुःख का मेटा किया जा सकता है

करुणा => यह एक संवेग है - जो किसी व्यक्ति को वेदना मे देखने पर अनुभव की जाती है।

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

Leave Blank रिक्त छोड़े

PUNEKAR PUBLICATIONS KHAJURI BAZAR INDORE TM पुणेकर

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

K

लोक सेवक के कार्य

जनकल्याण मे अभिवृद्धि

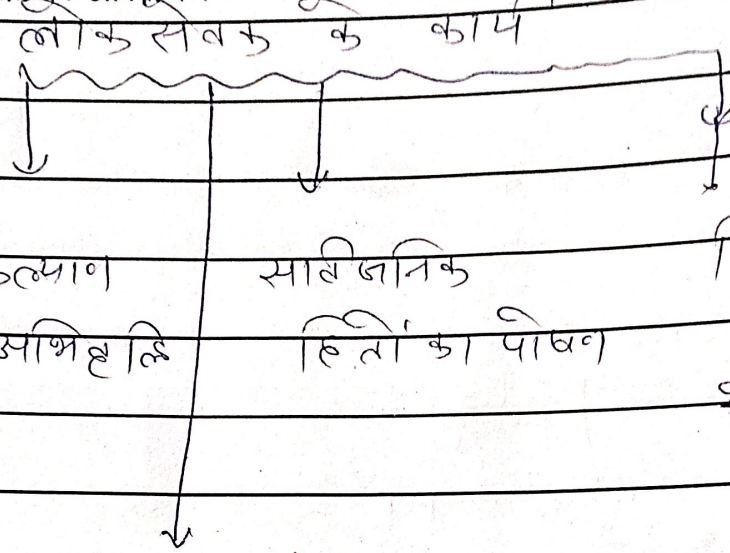

सार्वजनिक हितों का पोषण

विवेकाधीन शक्तियों के प्रयोग से कानून एवं शांति की स्थापना।

प्रशासन संचालन

L

नैतिक संहिता	आचरण संहिता
(a) आंतरिक तत्व	(a) बाह्य तत्व
(b) बाध्यकारी नहीं	(b) बाध्यकारी है।
(c) कानून से बंधा नहीं होता।	(c) यह कानून से बंधा होता है।
(d) उल्लंघन पर दंड नहीं मिलता	(d) दण्ड का भागी होग
(e) ईश्वर द्वारा हृदय मे स्थापित नियम है।	(e) किसी अधिकार प्राप्त संस्था द्वारा निर्मित

PUNEKAR PUBLICATIONS KHAJURI BAZAR INDORE TM पुणेकर

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

श्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

मनोवृत्ति द्वैधीभाव

किसी एक विषय के प्रति हमारी दोहरी मनोवृत्ति का होना ही द्वैधवृत्ति कहलाता है।

द हिन्दु के लेखक → अरविन्द घोष

द पोलिटिक्स के लेखक → अरस्तु

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

TM PUNEKAR PUBLICATIONS KHAJURI BAZAR INDORE PP पुणेकर

Leave Blank रिक्त छोड़े

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

~~सामाजिक सुधार आन्दोलन मे राजा राममोहन~~

समाज सुधार आन्दोलन

राजा राम मोहन राय के समाज सुधार आन्दोलन मे योगदान निम्नलिखित थे-

(i) महिला संबंधी

(a) सती प्रथा का अंत करवाने हेतु ~~विविध~~ अथक प्रयास, जागरूकता, देशभ्रमण किया। 1829 सती प्रथा निवारण अधि० इन्ही के सार्थक प्रयासों का परिणाम है।

(b) विधवा विवाह का समर्थन।

(c) बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन।

(d) महिला उत्तराधिकार नियम हेतु प्रयास किया।

(ii) धार्मिक ज्यापुम्लों से समाज को मुक्ति दिलाना

(a) मूर्ति पूजा, बहुदेववाद का समर्थन नही किया

(b) एकेश्वरवाद का समर्थन

(c) आडम्बर, धर्म पर पुरोहितो का एकाधिकार को चुनौती दी।

(d) वेदान्त को सत्य माना।

(iii) जातिप्रथा एवं अस्पृश्यता को अनैतिक माना

उन्होने जातिप्रथा, वर्णव्यवस्था, अस्पृश्यता की आलोचना की

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

Leave Blank

शिक्षा प्रोत्साहन

(घ) हिन्दु कालेज स्थापना मे सहायता।

(ड) पाश्चात्य शिक्षा पद्धति समर्थन।

PUNEKAR PUBLICATIONS TM KHAJURI BAZAR INDORE

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

(c) नववेदान्त - राधाकृष्णन

राधाकृष्णन अद्वैतवाद से प्रभावित थे उनकी मानना था कि आत्मा व परमात्मा पृथक नहीं है उनकी आत्मा उपनिषद् व वेदान्त मे थी।

उन्होंने ज्ञान मिमांसा व तत्व मिमांसा पर विचार दिया।

ज्ञान मिमांसा
ज्ञान के तीन स्रोत होते है

(a) स्वतः प्रतिभा ज्ञान
यह ज्ञान निरपेक्ष ज्ञान है, इस हेतु अन्य किसी ज्ञान की जरूरत नहीं होती।

(b) बौद्धिक ज्ञान
यह सापेक्ष ज्ञान है जिसमे तर्क व बुद्धि का सहारा लिया जाता है।

(c) इंद्रियजनित ज्ञान
यह इन्द्रियों के अनुभव पर आधारित है किन्तु ईश्वर का अनुभव परोक्ष ज्ञान द्वारा ही संभव है।

PUNEKAR PUBLICATIONS TM KHURAI BAZAR INDORE पुणेकर

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

तत्व मिमांसा

यह विचारधारा अद्वैतवाद से प्रभावित है। राधाकृष्णन के अनुसार आत्मा, परमात्मा में विलीन नहीं होती बल्कि उसे बुद्धि की सायुज्यता प्राप्त होती है।

TM

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

विवेकानंद का दरिद्र नारायण

विवेकानंद भारत के महान आध्यात्मिक विभूति थे। विवेकानंद को उनके धर्म के क्षेत्र मे उपलब्धियो हेतु जाना जाता है किन्तु उनका सामाजिक दृष्टिकोण कम नही था।

विवेकानंद ने नर सेवा नारायण सेवा का नारा दिया। उनका मानना था कि ये जो दीन दुखी, रोगी, झुग्गी झोपड़ियो मे रहने वाले लोग है, वही मेरे ईश्वर है। इनकी सेवा ही परम धर्म है एवं नारायण सेवा के तुल्य है।

इसी उद्देश्य से उन्होने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। यह मिशन आपदा, महामारी के दौरान पीड़ितो की हर संभव मदद करता है।

विवेकानंद ने कभी मानव-मानव के मध्य भेद नही किया। उन्होने आसन के सिद्धान्त व वेदान्त के द्वारा उनका उत्थान करने का प्रयास इसी दरिद्रनारायण की अवधारणा को लक्ष्य बनाते हुए किया।

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

प्लेटो का न्याय सिद्धान्त

(i) न्याय की उत्पत्ति विवेक, साहस एवं संयम जैसे सद्गुणो के मध्य सामंजस्य से होती है।

(ii) न्याय अंतरात्मा की आवाज है।

(iii) न्याय अराजकता पर नियंत्रण रखती है।

(iv) न्याय हेतु जरूरी है कि प्रशासक व संरक्षक वर्ग परिवार व सम्पत्ति का साम्यवाद रखे अन्यथा वह इन्ही विषयों मे उलझा रहेगा।

(v) न्याय हेतु राज्य नियंत्रित व अनिवार्य शिक्षा जरूरी है।

(vi) दार्श

(vi) न्याय की स्थापना दार्शनिक राजा द्वारा ही संभव है क्यो कि वह शुभ का ज्ञाता है।

(vii) न्याय हेतु मौलिक अधिकार प्रदान किए जाने चाहिए।

(viii)

इस सिद्धान्त मे प्रवृत्ति अनुसार लोग अलग-अलग कार्य करते हैं और एक दूसरे के कार्य मे हस्तक्षेप नहीं करते।

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

(viii) प्रत्येक प्रवृत्ति के लोगों हेतु अलग-अलग न्याय है।

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

F

अम्बेडकर आर्थिक विचार

(i) आर्थिक विषमता की जड़ जाति प्रथा व वर्ण व्यवस्था है क्योंकि यह प्रथा व्यवसाय चयन की स्वतंत्रता नही देती।

(ii) वर्ण आधारित व्यवसाय भारत के पतन का कारण है।

(iii) श्रमिक ~~व मजदूर~~ संगठनो का निर्माण हो एवं श्रमिक कानून द्वारा उन्हे सुरक्षा मिले।

(iv) कृषि व पशुपालन का विकास हो।

(v) भारी उद्योगों का विकास करके उनका राष्ट्रीकरण किया जाए।

(vi) सबको समान अवसर की प्राप्ति हो।

(vii) समान पारिश्रमिक व रोजगार की गारंटी एवं न्यूनतम् वेतन निर्धारित हो।

(viii) उत्पादन पर राज्य का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप हो

(viiii) बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हो।

PUNEKAR PUBLICATIONS TM पुणेकर

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

गांधी जी का राम राज्य

(a) सभ्य व सुन्दर समाज

(b) अस्पृश्यता को स्थान नही हो। सब समान हो।
(c) सबके कार्यों को समान महत्व मिले।
(d) सामाजिक संघर्ष व हिंसा का स्थान नही।
(e) ऐसे वृत्ति का चयन करेंगे जो न्यायपूर्ण हो
(f) ग्रामो का सर्वांगीण विकास हो।
(g) ग्रामो मे स्वच्छता, अवसंरचना, स्वास्थ्य व्यवस्था हो।
(h) महिलाओ की गरिमा का ध्यान रखे महिलाओं के उत्थान के प्रयास हो।
(i) प्रशासन जनता के कल्याण मे कार्य करेंगे।
(j) अपराधो का अंत हो, अपराधियो को नही अपराध को समाप्त करे।

(k) बुनियादी शिक्षा द्वारा चरित्र, व्यक्तित्व, नैतिकता का विकास।

(l) हिंसा व अराजकता का स्थान नही।
(k) व्यक्ति अपनी योग्यता का प्रयोग कमजोर व्यक्तियो के उत्थान मे करेंगे।
(L) स्वावलंम्बन के गुणो की समाप्ति किया जाएगा।

(m) किसी भी तरह की शोषण मूलक व्यवस्था नही होगी,

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

H

संवेगिक बुद्धि

स्वयं एवं किसी अन्य व्यक्ति के संवेगो को समझना, उन्हें व्यक्त करना एवं उन पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाना, संवेगिक बुद्धि का कार्य है।

~~आयाम → संवेगात्मक, संज्ञानात्मक, व्यवहारात्मक~~

आयाम-
- → आत्म नियमन
- → आत्म जागरूकता
- → आत्म प्रेरणा
- → समानुभूति

आत्मनियमन — स्वयं के संवेगो पर नियंत्रण लगाना।

इसका लाभ यह है कि व्यक्ति तनाव, द्वन्द की स्थिति मे अनुकूल परिस्थिति निर्मित कर लेता है।

आत्मजागरूकता

स्वयं के संवेगों को पहचानना और उन पर नियंत्रण लाने के प्रयास खोजना।

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका
न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

अभिप्रेरणा

विपरीत परिस्थिति में स्वयं को कार्य करने हेतु प्रेरित रखना।

इसका लाभ यह है कि हम प्रतिकूल परिस्थिति में न केवल स्वयं बल्कि अधीनस्थों को भी प्रेरित रख सकते हैं।

समानुभूति → स्वयं को पीड़ित की जगह रख कर समान पीड़ा का अनुभव करना।

इससे प्रशासन की संवेदनशीलता बढ़ती है।

PUNEKAR PUBLICATIONS TM
KHAJURI BAZAR INDORE
पुणेकर
Leave Blank
Do not write beyond this line
Leave Blank

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

7

मनोवृत्ति निर्माण मे रुचि

रुचि से तात्पर्य है कि किसी व्यक्ति द्वारा किसी विशेष कार्य का चयन करना या विशेष कार्य को प्राथमिकता देना।

मानव जीवन मे अनेक अनुभव प्राप्त होते है किन्तु उनमे से हमारे किस अनुभव से मनोवृत्ति निर्मित होगी है यह हमारी रुचि तय करती है।

जैसे मीडिया से प्राप्त हुए विशेष सूचनाओं के आधार पर ही हम मनोवृत्ति बनाते है जबकि सूचनाए अन्य भी है फिर भी सिर्फ वही मनोवृत्ति, रुचि निर्धारित करती है।

परिवार मनोवृत्ति का निर्धारक होता है किन्तु उसके सदस्य अपनी अपनी रुचि के अनुसार ही मनोवृत्ति निर्मित करते है।

यह रुचि ही है, जो हमारे संगति का निर्धारण करती है। संगति का मनोवृत्ति निर्माण मे विशेष हस्तक्षेप होता है।

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

हम अपने पसंद के कार्यों को करते हुए पुरस्कार या दंड के भागी होते हैं इस प्रकार पुरस्कार व दंड भी मनोवृत्ति का निर्माण करते हैं। किन्तु इन सबों में पसंद/रुचि हमारी होती है।

किसी विशेष व्यक्ति या विचारधारा का अनुसरण करना हमारी रुचि है जो आगे चलकर उसी अनुरूप मनोवृत्ति बनाती है।

Leave Blank
रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

TM
PUNEKAR PUBLICATIONS
KHAJURI BAZAR INDORE
पुणेकर

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

आचरण संहिता क्या है? उपयोगिता

आचरण संहिता एक लिखित दस्तावेज है जिसमे लोकसेवको के आचरण संबंधी नियम होते है जो निर्देशित करते है कि उन्हे नैतिक रूप से क्या करना है और क्या नहीं करना है

1954 → अखिल भारतीय सेवा हेतु
1965 → मध्य प्रदेश लोकसेवक आचरण संहिता बनी।

प्रशासन मे उपयोगिता

(i) प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगता है।
(ii) उत्तरदायित्व व पारदर्शिता मे वृद्धि होती है।
(iii) जन कल्याणकारी प्रशासन की स्थापना।
(iv) सेवा की गुणवत्ता, दक्षता एवं समय बद्धता बढ़ती है।

(v) प्रशासन की विश्वसनीयता बढ़ती है व जनसमर्थन प्राप्त होता है।

(vi)
प्रशासक तटस्थ, असाम्प्रदायिक, धर्मनिरपेक्ष बने रहते है।

(vii) लाल फीताशाही, भ्रष्टाचार, औपचारिकता पर नियंत्रण।

(viii) अ त्वरित शिकायत निवारण

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

न मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

K

नैतिक मूल्य पतन के कारण

(i) मुनाफाखोर => ज्यादा उपभोग करने की प्रवृत्ति भ्रष्टाचार को जन्म देती है जिससे नैतिक मूल्यों का पतन होता है।

(ii) शिक्षा मे नैतिकता का अभाव => वर्तमान शिक्षा पद्धति मे नैतिकता का सर्वथा अभाव है।

(iii) भौतिकतावादी संस्कृति => यह संस्कृति निजवाद स्वार्थ को बढ़ावा देती है।

(iv) पूर्वाग्रह => किसी व्यक्ति, वस्तु, संस्था के प्रति स्थायी नकारात्मक विचार बिना तर्क के बनाना।

(v) रूढ़ि => नकारात्मक मनोवृत्ति जो सम्पूर्ण समुदाय द्वारा मानी जाती है।

(vi) बढ़ती असहिष्णुता => धार्मिक, जातिगत वैचारिक संघर्ष स्थापित करता है।

(vii) विकृत सामाजिक प्रयास एवं पारिवारिक वातावरण

(ix) मीडिया की गैर जिम्मेदारी से प्रसारित विशेष कंटेंट

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

Leave Blank रिक्त छोड़े

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

नैतिक मूल्य स्थापना के उपाय

(i) नैतिक मूल्यो की शिक्षा परिवार स्तर से प्रारम्भ हो।

(ii) शिक्षा मे नैतिकता का प्रवेश।

(iii) पश्चिमी सभ्यता का अंधानुकरण नही।

(iv) उपभोगवाद का अतिशय समर्थन नही।

(v) विहित सामाजिक प्रथाओं का उन्मूलन हो।

(vi) लोगो मे सहिष्णुता का विकास किया जाए।

(vii) उचित व स्वस्थ्य कंटेन्ट का मीडिया द्वारा प्रसारण।

(viii) पूर्वाग्रह व विभेदो का अंत करे।

(ix) बार-बार अभ्यास द्वारा नैतिकता के मार्ग मे बाधक तत्वो का त्याग करे।

(x) परम्परागत संस्कृति की उपेक्षा न करे।

(xi) सार्वजनिक हितो को साधने के प्रयास करें।

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

भ्रष्टाचार को असमाप्त करने मे मीडिया की भूमिका

(i)

संस्थाओ की अनियमितताओ, अनैतिक प्रथाओ की सूचना को सार्वजनिक करके।

(ii) सरकारी तंत्र को भ्रष्टाचार के मामलो की जानकारी देने हेतु।

(iii) स्टिंग आपरेशन द्वारा तथ्य जुटाना एवं प्राधिकारी संस्था को सौंपना।

(iv) अनियमितता पर संस्थाओ से वाद विवाद करके उनकी जवाबदेहिता सुनिश्चित करना।

(v) भ्रष्टाचार एवं उसके तरीको से जनता को अवगत कराना।

(vi)

~~मीडिया के ... से प्रशासन~~

(vii) सरकार के भ्रष्टाचार रोधी कदमों की समीक्षा किसी परियोजना मे लागत, कार्य, गुणवत्ता की समीक्षा करना।

अन्ना आंदोलन मीडिया प्रेरित होना।

इस प्रकार हे हल जनान्दोलन खड़ा किया जा सके

भ्रष्टाचार के कुतेज सार्वजनिक करके आरोपियो को सामने लाना।

Leave Blank रिक्त छोड़े
Do not write beyond this line
Leave Blank रिक्त छोड़े

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

5 लोक प्रशासन में समर्पण

समर्पण से तात्पर्य है किसी विशिष्ट उद्देश्य हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करना।

लोक प्रशासन जनता के कल्याण एवं विकास तथा अधिकारों की रक्षा हेतु स्थापित किया गया है।

=> लोक सेवा के दौरान प्रथमतः आपको अनामता के सिद्धान्त पर चलना होता है। अ प्रशासक को किसी भी कार्य का श्रेय नहीं लेता है ऐसा समर्पित व्यक्ति ही कर सकता है।

=> धन, व्यवसाय, जीवन का जोखिम होते हुए सेवा का निष्पादन समर्पण का ही रूप है।

~~लोक प्रशासन~~

=> लोकसेवा में न्यूनतम वेतन के साथ, अधिकतम समय तक सेवा देना होता है यह तभी संभव है जब हम समर्पित हो।

=> समर्पण के बिना न तो कार्यदक्षता में वृद्धि होती है न ही कार्य समय से पूर्ण हो सकते है क्योंकि 1-1 सिविल सेवको पर ज्यादा जनपिकायतों का भार होता है।

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

विवेक के संकट मे अंतःप्रेरणा की भूमिका

विवेक, तर्क, नियम, कानून, आचरण संहिता का प्रयोग करता है किन्तु जब दुविधा की स्थिति उत्पन्न होती है या ~~कोई~~ प्रतिकूल परिस्थिति हो तो अंतःप्रेरणा ही काम आती है।

~~यह~~ होती है ज्ञानात्मक अंतरात्मा जो तर्क, कानूनों का सहारा लेती है। जबकि अधिकारात्मक अंतरात्मा हमे कर्तव्य निर्वहन हेतु बाध्य करती है।

जब अंतरात्मा दृष्टिहीन हो तो ~~वह मूल्यों पर~~ ~~अवस्थित रहता है~~ और वह नियमों के अनुसार निर्णय लेता है।

वहीं ~~प्रबुद्ध~~ अंतरात्मा अपने मूल्यों पर अडिग रहती है किसी परिस्थिति मे वह मूल्यों का त्याग नहीं करती। उसे कोई संशय नही होता

अंतरात्मा, क्या सही है क्या गलत है इसको उत्तम मार्गदर्शन करती है।

यह उन विकल्पों का चयन करती है जो सार्वजनिक हितों को बढ़ावा दे।

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

Leave Blank रिक्त छोड़े

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

3 1

सरकारी संगठन सेवा गुणवत्ता निम्न होने के कारण

(i) आय एवं रोजगार की सुरक्षा

सरकारी कर्मचारियों को नियमित मासिक वेतन एवं बिना किसी विधिक प्रक्रिया के हटाया नहीं जा सकता।
ये सुविधाएं उन्हें अकर्मण्य बनाती हैं।

(ii) निम्न विशेषज्ञता

सरकारी संगठन के कर्मचारियों मे विशेषज्ञता, तकनीकि कुशलता का अभाव प्राय: देखने को मिलता है।

(iii) प्रतिस्पर्धी नहीं

क्यों कि ये संगठन ~~स्थायी~~ सरकारी है अत: उन्हे कोई प्रतिस्पर्धी नहीं करनी होती। अत: गुणवत्ता पर ध्यान नही दिया जाता।

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

…में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

(i) जन शिकायत निवारण प्रणाली में कमियाँ

(a) जन शिकायत निवारण प्रणाली पर ज्यादा बोझ
(b) संस्थाओं के संसाधन, वित्त, स्वायत्तता का अभाव
(c) राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते प्रणाली कार्य निष्पादन नहीं हो पाता

(ii) अधिक औपचारिकताएं

प्रत्येक कार्य हेतु अनावश्यक कागजी प्रणाली लागू की गई है जो प्रतिभागी सेवाओं के प्रदाय में देरी करती है।

(iii) मानकीकरण हेतु सशक्त संस्थाओं का अभाव बना हुआ है। जो मानकीकरण संस्थाएं हैं वे भी शासकीय हैं जिनसे पारदर्शिता की उम्मीद कम की जाती है।

(iv) पारदर्शिता में कमी
सरकारी संगठनों के कार्यों की सूचनाएं आसानी से सार्वजनिक नहीं होती साथ ही इस पर गोपनीयता जैसे प्रतिबंध भी मौजूद हैं।

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

राजनीति संरक्षण

अनैतिक कार्यो मे लिप्त कर्मचारियो को राजनीतिक हस्तक्षेप कार्यवाही से बचा लिया जाता

सरकारी संगठनो का प्रबंधन कमजोर होता है।

सरकारी संस्थाएं लाभ की जगह सेवा का ध्येय रखती है जिससे में गुणवत्ता की जगह मात्रा को लक्ष्य बनाया जाता है।

सशक्त निगरानी संस्था का अभाव

लोकायुक्त लोकपाल तो निर्मित हुए किन्तु सीमित स्वायत्तता दी गई तथा स्वयं के जाँच दल एवं दण्ड देने की शक्ति का अभाव

सिटिजन चार्टर स्वरूप की अनदेखी करना।

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

म मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

(a) जनता का गैर जागरूक होना भी इस समस्या की जड़ है। यदी जनता चाहे तो इन मुद्दों को समान्वित हो कर उठा सकती है।

(b) मीडिया का ध्यान गैर जरूरी मुद्दों पर केन्द्रित रहता है। मीडिया अगर चाहे तो इसी समस्या को लेकर आन्दोलन तैयार कर सकती है।

(c) सरकारी संस्थाओं की वित्तीय स्थिति

सरकारी संस्थाएं लगातार घाटे का सामना कर रही है इस प्रकार गुणवत्ता की आशा कैसे की जाए।

Leave Blank
रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

Leave Blank
रिक्त छोड़े

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

2 कैसे प्रेरित किया जाए

(i) प्रोत्साहन द्वारा

बेहतर समय पाबंद, कर्मठ, समर्पित कर्मचारियों का सम्मान करना, उन्हें पदोन्नत व ~~वेतन वृद्धि करना~~।
साथ ही इन्सेन्टिव प्रदान करेंगे

(ii) एक लक्ष्य दे कर, लक्ष्य प्राप्त करने वालों को रैंकिंग दे कर उन्हें पुरस्कृत करना।

(iii) लोक सूचना अधिकारी नियुक्त करके संगठन की सूचना सार्वजनिक करेंगे और ~~विरुद्ध~~ अनियमितता बरतने वालों पर कार्यवाही करेंगे।

(iv) कठोर आचरण के दोषी कर्मचारियों पर विधि सम्मत कार्यवाही का प्रावधान रखेंगे

ANSWER BOOK

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

उत्तर पुस्तिका

- कर्मचारियों के कार्य के समय निर्धारित करेंगे, साप्ताहिक अवकाश का भी प्रावधान करेंगे।

- शिकायत निवारण न करने पर या गलत सूचना देने पर संबंधित कर्मचारी पर अर्थ दण्ड लगाएगे।

- समय-समय पर उन्हे प्रेरित रखने हेतु सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन कराएंगे।

- वेतन वृद्धि के प्रयास करेंगे।

- कार्यशील आयु के लोगों को ही संस्था का अंग बनाएगे। वृद्ध कार्मिकों की सेवानिवृत्ति पश्चात सुरक्षा की व्यवस्था करेंगे।

- कार्मिकों का तकनीकि व प्रबंधन का नियमित प्रशिक्षण कराया जाएगा।

- कार्मिकों को प्रशिक्षण दौरान नैतिकता की शिक्षा दिलाना।

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

Leave Blank रिक्त छोड़े

- कार्मिकों को उनके राष्ट्र के प्रति दायित्वों हेतु प्रेरित

3-5

क्या निशान्त को सरकारी स्कूल का चयन करना चाहिए।

जैसा बात है निशान्त स्वयं सार्वजनिक रूप से इस बात का समर्थन करते आ रहे है कि अभिजात्य वर्ग अपने बच्चो को शासकीय स्कूल मे दाखिल कराए उन्हे सत्यनिष्ठा का पालन करते हुए शासकीय स्कूल मे ही अपने बच्चे का नामांकन कराना चाहिए।

क्यो कि व्यक्ति को अपनी कथनी व करनी समान रखनी चाहिए।

गांधीजी स्वयं जो प्रयोग जनता पर करते थे सर्वप्रथम उनका प्रयोग स्वयं पर करते थे उन्होने स्वयं सार्वजनिक शौचालयो को साफ किया फिर अन्य लोगो को ऐसा करने को कहा।

ऐसा इसलिए जरूरी है क्यो कि आप आइकॉन है आपकी बाते जनता सुनती है अनुसरण करती है किन्तु जब आइकॉन स्वयं ऐसा नहीं करेंगे तो जनता से ऐसी आशा रखना गलत है।

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

2 नैतिक विमर्श त्याग देना चाहिए?

निर्भांत को नैतिक विमर्श का त्याग नहीं करना चाहिए क्योंकि यह समस्या का हल नहीं है। वे प्रभावशाली व्यक्ति हैं उन्हे यह चाहिए कि सबसे पहले वे पहल करके एक आदर्श प्रस्तुत करें। जिससे सामान्य जनता में एक अच्छा विचार जनसंदेश जाए।

यदि वे विमर्श का त्याग करेंगे तो उनकी सत्यनिष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लगेगा। उनकी प्रसिद्धि व छवि पर लांछन लगेंगे जिससे सार्वजनिक मुद्दों को उठाने वाले नेताओं की भूमिका संदिग्ध होती दिखाई देगी।

जनता का भी विश्वास ऐसे लोगों से उठेगा। ऐसे मे उन तक सामान्य उदार विचारों को पहुँचा पाना कठिन होगा।

निष्कर्षतः उन्हे अपनी पहल को लेकर स्थिर रहने की जरूरत है न कि विमर्श त्याग की।

क्या उन्हे अपने पार्टी के लोगो को स्वयं के समर्थन मे उतारना चाहिए

निशांत ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि प्रथमतः वे स्वयं ही सत्यनिष्ठा का त्याग कर रहे है साथ ही निजी हित के चलते अन्य लोगो को इसमे सहभागी बनाना सही नहीं है।

ऐसे मे जो मुद्दा जनहित मे उठाया गया था वह निश्चित ही अप्रासंगिक हो जाएगा।

कि पार्टी को भी इस निर्णय से नुकसान के अलावा प्राप्त नहीं होगा, इससे निशांत उक्त पार्टी का जनाधार ही कमजोर करेंगे।

निशांत के पास स्वयं पीछे हटने का विकल्प है या अटल रहने का विकल्प है किन्तु निजी हित साधने हेतु इस मुद्दे को अप्रासंगिक बनाने का अधिकार नहीं है।

(4)

बच्चे का प्रवेश ~~अभिजात स्कूल मे करा देना~~ च जो निशांत के पास दो विकल्प है

प्रथम वे अपने वचन पर अटल रहते हुए शासकीय स्कूल मे अपने बच्चे को दाखिल करा देना चाहिए।

या अपने बच्चे को ऐसे अभिजात स्कूल मे दाखिल कराना चाहिए जहाँ शिक्षा प्रणालि गुणवत्ता सुविधाएं ज्यादा बेहतर है।

किन्तु जब स्वयं मुखर किया गया तो अब उन्हें अभिजात स्कूल मे दाखिला नहीं कराना चाहिए माना कि अभिजात स्कूल बेहतर होते है उनकी गुणवत्ता बेहतर होती है किन्तु यहाँ बात गरीब बच्चो के साथ हो रहे भेदभाव की है जिन्हे अभिजात स्कूल प्रवेश इसलिए नहीं देते क्योंकि वे निर्धन है। यह शिक्षा का व्यवसायीकरण है।

जब ~~ह~~ निशांत जैसे ~~लोग~~ प्रभावशाली लोग शासकीय स्कूलो की तरफ मुखर होंगे तो निश्चित ही ~~इ~~ इन स्कूलो पर ध्यान दिया जाएगा।

Leave Blank रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line

Leave Blank रिक्त छोड़ें

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

ऐसा नहीं है कि शासकीय विद्यालयों में नियुक्त शिक्षक अयोग्य हैं। जरूरत है उन पर निगरानी, बेहतर कार्यनिष्पादन हेतु बाध्यता डालने की।

PUBLICATIONS TM

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

म मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

(5) बुद्धिजीवी वर्ग अपने बच्चों को आभिजात्य स्कूल मे ही क्यों डालते हैं?

(i) बेहतर शिक्षा गुणवत्ता – नवीन प्रशीक्षित शिक्षक

(ii) बेहतर अवसंरचना – लैब, कम्प्यूटर, स्पोर्ट्स हाईटेक – टीचिंग

(iii) बेहतर परीक्षा परिणाम ;

(iv) और शैक्षणिक गतिविधियों द्वारा भी प्रतिभा निखारना।

(v) अधिक आधुनिक एवं आकर्षक

(vi) आभिजात्य स्कूलों की शहरों मे होड़ चलना

(vii) अनुसरण – सहकर्मियों का ऐसा करना।

(viii) बुद्धिजीवी वर्ग का यह दृष्टिकोण कि आभिजात्य स्कूल बच्चों को ज्यादा अनुशासित रखते हैं।

(ix) नियमित क्लास एवं पूर्ण पाठ्यक्रम कवर कराना।

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

Leave Blank रिक्त छोड़े

PUNEKAR PUBLICATIONS KHAJURI INDORE TM